लखनऊ
सोमवार, 15 जनवरी 2024
वर्षः-08 अंकः-25
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

मकर संक्रांति

सूर्य भी जहां आकर ठहर गए, वहां वर्षों से रुकी विकास प्रक्रिया को नाथों के आदित्य ने दी गति

⏩आध्यात्मिक महत्व के बावजूद यह क्षेत्र वर्षों तक रहा उपेक्षा का शिकार, सीएम योगी आदित्यनाथ ने सूर्य कुंड के व्यापक विकास का मार्ग किया प्रशस्त

⏩अयोध्या से 6 किलोमीटर दूर दर्शन नगर स्थित सूर्य कुंड का 40.95 करोड़ रुपए से योगी सरकार ने कराया जीर्णोद्धार, पर्यटकों को लुभा रहे लेजर शो समेत तमाम आकर्षण

⏩जीर्णोद्धार के बाद नव्य भव्य अयोध्या का नया टूरिस्ट आकर्षण बना सूर्य कुंड, यहां सेल्फी प्वॉइंट व रील्स के हिसाब से कई स्पॉट किए गए हैं डेवलप

सूर्य कुंड के दर्शन किए बिना पूरी नहीं होती अयोध्या की यात्रा, प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के समय यहीं रुके थे सूर्यदेव

करण वाणी, न्यूज

अयोध्या। सनातन धर्म की सप्तपुरियों में सर्वप्रथम अयोध्या के त्रेतायुगीन वैभव व आधुनिक विकास का समुचित तालमेल सूर्य कुंड मेंदेखने को मिल रहा है। यह वह स्थान है जहां कभी सूर्य भी आकर ठहर गए थे और कहते हैं तब अयोध्या में एक महीने तक रात नहीं हुई थी। पौराणिक विवरणों में उल्लेखित सूर्य कुंड आध्यात्मिक व ऐतिहासिक धरोहर है। इसके बावजूद वर्षों तक यह उपेक्षा झेलता रहा। मगर, 2019 में आए राम मंदिर के फैसले के बाद योगी सरकार ने जब अयोध्या की दशा दिशा बदलने का बीड़ा उठाया तो इस विख्यात कुंड के भी भाग्य जाग उठे। योगी सरकार ने यहां 40.95 करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार व विकास कार्यों को गति दी तो इस पावन पौराणिक कुंड को नई आभा प्राप्त हुई। आज यह कुंड लोगों को आरोग्य व पुण्यका प्रसाद देने के साथ ही उनके मनोरंजन का भी प्रमुख केंद्र बन गया है। यहां विकसित पार्क में लेजर शो समेत तमाम आकर्षण विकसित किए गए हैं जिससे पर्यटक यहां खिंचे चले आ रहे हैं।

कुंड में स्नान से कुष्ठ व चर्म रोग होते हैं दूर, प्राप्त होता है अखंड पुण्य

मान्यता है कि जब भगवान राम का राज्याभिषेक हो रहा था, तब उस समय सारे देवता अयोध्या आए थे और उनमें सूर्य देवता भी थे। सूर्य देवता दर्शन नगर के पास रुके थे, जिसको आज सूर्य कुंड के नाम से जाना जाता है और वहां पर सूर्य देवता का एक मंदिर भी है। मान्यता है कि इसी स्थान पर सूर्य का रथ रुका था और उस वक्त अयोध्या में एक महीने के लिए सूर्यास्त नहीं हुआ। कहते हैं कि सूर्य के रथ के यहां धस जाने के कारण यहां कुंड का निर्माण हुआ। एक मान्यता यह भी है कि जब चरक ऋषि ने यहां स्नान किया था तो उनका कुष्ठरोग दूर हो गया था। ऐसे में, जो भी कुष्ठ व चर्म रोगी यहां स्नान करता है उसकी बीमारियां ठीक हो जाती हैं तथा उसे आरोग्य व अखंड पुण्य की प्राप्ति होती है।

इन कार्यों ने सूर्य कुंड को बनाया खास

संरक्षण का पुराना पैटर्नः यहां चूना और गुड़ से मंदिर व कुंड की बाहरी दीवारों का संरक्षण किया गया है। इसके साथ ही, कुंड केरखरखाव की प्रक्रिया व यहां भव्य पार्क डेवलप करने की प्रक्रिया को भी पूर्ण किया गया है। कुल मिलाकर 40.95 करोड़ के जरिएमेकओवर किया गया है।

म्यूरल आर्ट पेंटिंगः यहां कई स्थानों पर म्यूरल आर्ट के जरिए भी सजाया जा रहा है, जिसमें रामायण के प्रसंगों समेत पौराणिक घटनाओंव पात्रों के मनमोहक चित्रण को देख लोग सुखद आश्चर्य से भर उठते हैं।

लाइट एंड साउंड शोः यहां कुंड पर गुरुवार से भव्य साउंड व लेजर शो आयोजन शुरू हुआ है। यहां आधे घंटे के लेजर शो का आयोजनहोता है जिसमें सूर्य कुंड की आभा, पौराणिक वैभव व सूर्यकुल की परंपरा के बारे में बताया जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्लेः कुंड पर विभिन्न स्थानों पर बड़ेझबड़े इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले भी लगाए गए हैं जिनमें रामानंद कृत रामायण को दिखाया जाता है। इसके अलावा भक्ति गीत और सरकारी योजनाओं के बारे में इनके जरिए जागरुकता का प्रसार भी किया जाता है।

कल्चरल एरियाः कुंड पर एक विशिष्ट सांस्कृतिक स्थल भी है जो ओपन एयर थिएटर का कार्य करता है। यहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन भी 15 जनवरी से 22 जनवरी के मध्य होगा।

सोलर विंटेज लाइटिंगः सोलर पैनल्स के इंस्टॉलेशन से यहां बिजली उत्पादन की जा रही है। यहां विक्टोरियन विंटेज थीम्ड आर्क व एलईडी लैंप युक्त लाइटिंग की गई है। इसके अतिरिक्त, यहां फसाड लाइटिंग भी की गई है जो नव्य आभा प्रदान करता है।

भव्य फाउंटेन डिस्प्लेः यहां कुंड में भव्य फाउंटेन को भी लगाया गया है जो आकर्षक रोशनी सज्जा व साउंड सिंक्रोनाइजेशन के जरिए भव्य आभा प्रदान करता है।

बनी मोड़, मोहनलालगंज बाईपास बना मौत का रनवे

न पटरी न संकेतक, सड़क हादसों की मार से आए दिन तबाह हो रहे परिवार

बीतें 11 दिसंबर दिन सोमवार को बंथरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पहाड़ पुर गाँव में देर रात एक शादी समारोह में जा रहे चार लोगों को एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। घटना में दो युवकों की मौत हो गई है जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हैं।

पंकज सिंह चौहान

लखनऊ (करण वाणी,न्यूज)। पहाड़पुर गाँव के रहने वाले 27 वर्षीय राजेश सिंह के परिवार में सबकुछ ठीक चल रहा था। पत्नी खुशबू व 6 वर्ष के बेटे श्लोक के साथ राजेश हंसी-खुशी जीवन व्यतीत कर रहे थे, लेकिन कुदरत को कुछ और मंजूर था। एक सड़क हादसे में परिवार की खुशियां एक झटके में बिखर गईं।

बनी मोड़ मोहनलालगंज बाईपास पर पहाड़पर गाँव में किसी अज्ञात वाहन ने राजेश सिंह सहित तीन अन्य लोगों को टक्कर मार दी हादसे में राजेश सिंह (27) और सचिन श्रीवास्तव (25) की मौत हो गई। वहीं प्रदीप सिंह (32) गंभीर रूप से घायल है अस्पताल में ज़िंदगी और मौत से जूझ रहे हैं, घटना के बाद उनके परिवार के सामने घुप अंधेरा छा गया। सबकुछ बर्बाद हो गया और आजीवन बेबसी झेलने का दंश मिल गया।

वहीं घायल प्रदीप सिंह का परिवार किराये पर रहकर काफी जद्दोजहद कर रहा है। प्रदीप का अस्पताल में इलाज चल रहा है, यह कहानी सिर्फ राजेश, सचिन और प्रदीप की नहीं, ऐसे सैकड़ों परिवारों की है जिनका कोई न कोई सदस्य सड़क हादसों में असमय काल के गाल में समा जाता है। इसके लिए अनफिट सड़कें भी काफी हद तक जिम्मेदार हैं। संबंधित विभागों की बेपरवाही के कारण सड़कों की देखभाल, रखरखाव, सुरक्षा के उपाय व अन्य प्रबंध नहीं किए जाने से स्थिति भयावह होती जा रही है।

पटरी गायब रोड से सटाकर लगा दिए खम्भे

सड़क फिटनेस में फेल प्रबंध तंत्र

लिंक मार्ग, स्टेट हाईवे या फिर नेशनल हाईवे हो। इन पर रोड सेफ्टी के लिए जो जरूरी कदम संबंधित सड़क निर्माण एजेंसियों या फिर जिला रोड सेफ्टी कमेटी की ओर से उठाए जाने चाहिए उनका पूरी तरह से अभाव है। परिणाम ये है कि इससे सड़क हादसों को बढ़ावा मिल रहा है। रोड सेफ्टी के लिए सड़कों पर 3 तरह के आदेशात्मक, संकेतात्मक और सूचनात्मक बोर्ड लगाए जाने जरूरी हैं लेकिन नेशनल हाईवे को छोड़ दे तो अधिकतर सड़कों पर इस तरह का कोई कदम नहीं उठाया गया है।

करण वाणी द्वारा जिले की सड़कें कितनी सेफ हैं उन पर रोड सेफ्टी के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इसको लेकर शनिवार को बनीं मोड़ से मोहनलालगंज व कटी बगिया से मोहन रोड पर पड़ताल की गई तो सामने आया कि इन सड़कों पर न पटरी न नाला और न ही सांकेतिक बोर्ड हैं। कहां तीव्र मोड़ है, कहां पुल तंग हैं। कहां डेंजर प्वाइंट्स हैं। इन सबके लिए कोई भी सांकेतिक बोर्ड सड़कों पर नहीं लगाए गए। इतना ही नहीं इन सड़कों पर तो कहीं कहीं पर जरूरी सफेद पट्टी तक नहीं लगाई गई।

सड़क से सटाकर लगा दिए बिजली के खंभे

बनी मोड़ मोहनलालगंज बाईपास पर विद्युत विभाग ने सड़क से सटाकर खंभे लगाए हैं जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं, नियम के अनुसार सड़क से दो मीटर दूर ही खंभे लगाए जा सकते हैं, लेकिन विद्युत विभाग ने खंभे बिल्कुल सड़क से सटकर लगवा दिए। इससे स्थानीय ग्रामीणों में रोष है।

पटरी गायब रोड से सटाकर लगा दिए खम्भे

सड़क किनारे भरा पानी भी हादसे की वजह

जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से बनी मोड़ मोहनलालगंज बाईपास पर जलभराव की समस्या बनी हुई है। मुख्य मार्ग पर गंदापानी भरा होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। रास्ते पर जलभराव से सड़क पर गड्ढे बन गए हैं। इसमें गिरकर आए दिनलोग हादसे का शिकार हो रहे। रास्ते पर गंदा पानी भरा होने से बीमारी फैलने की आशंका भी बनी हुई है। पानी निकासी की गंभीरसमस्या से स्थानीय जन प्रतिनिधि और अधिकारी भली भांति वाकिफ हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर समस्या का निवारण नहीं हो पा रहा।

नाला न होने के कारण रोड पर भरा पानी

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के बड़े स्पॉट के रूप में उभर रहा है अयोध्या धाम

⏩ताज, मैरियट, जिंजर, ओबेराय, ट्राइडेंट और रैडिसन जैसे 50 नामचीन होटलों का निर्माण कार्य प्रगति पर

⏩अयोध्या धाम में स्थित राजा का महल को भी हेरिटेज होटल के रूप में विकसित किए जाने की है योजना

⏩जीबीसी के लिए तैयार इन सभी 126 प्रोजेक्ट्स की कुल कॉस्ट करीब 4 हजार करोड़ रुपए

करण वाणी, न्यूज

अयोध्या। 22 जनवरी को भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए अयोध्या धाम को दुल्हन की तरह सजाया जा रहाहै। बेहतरीन हाईवे, चमचमाती सड़कें, भगवान राम की लीलाओं से पटी वाल पेंटिंग, फसाड लाइटिंग, विक्टोरिया लैंप से सजे प्रवेश द्वार अयोध्या की छवि को और मनमोहक बना रहे हैं। इसी मनमोहक छवि को देखते हुए अयोध्या में व्यापक पैमाने पर उद्यमी आकर्षित हो रहेहैं। खासकर यहां पर्यटन में असीम संभावनाओं के मद्देनजर निवेशकों ने यहां हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में बड़े निवेश के लिए करार किया है।देश के नामचीन होटल अयोध्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले हैं। ऐसे करीब 50 बड़े होटल कंस्ट्रक्शन की प्रक्रिया में हैं। इसके अलावा कई छोटे होटल, रिजॉर्ट और होम स्टे भी यहां पर अपना निवेश कर रहे हैं। इस लिहाज से अयोध्या धाम होटल इंडस्ट्री के नए स्पॉट के रूप में उभर रहा है।

टूरिज्म सेक्टर में 18 हजार करोड़ के एमओयू

अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल के अनुसार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान अयोधन में पर्यटन को लेकर करीब 18 हजार करोड़रुपए के 102 इंटेंट साइन किए गए थे। जीआईएस के बाद भी कई उद्यमियों ने अयोध्या में पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए सरकार और जिला प्रशासन के समक्ष अपने प्रस्ताव रखे हैं। इस तरह अयोध्या में अभी पर्यटन से संबंधित तत्काल 126 प्रोजेक्ट्स हैं जो ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से धरातल पर उतरने को तैयार हैं। इन 126 में से 46 प्रोजेक्ट्स वो हैं जिनके लिए एमओयू हो चुके हैं, जबकि 80 प्रोजेक्ट्स नॉन एमओयू से संबंधित हैं। जीबीसी के लिए तैयार इन सभी 126 प्रोजेक्ट्स की कुल कॉस्ट करीब 4 हजार करोड़ रुपए है। इनमें एमओयू और नॉन एमओयू वाले प्रोजेक्ट्स की कॉस्ट 2-2 हजार करोड़ रुपए के करीब है।

कई नामचीन होटल जल्द बनेंगे हकीकत

गौरव दयाल ने बताया कि बड़े प्रोजेक्ट्स की बात करें तो फिलहाल 50 बड़े नामचीन होटलों ने यहां निवेश किया है, जिनकी बिल्डिंग निमार्णा धीन है। ये जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगी और इसका संचालन शुरू हो जाएगा। इन होटलों में ताज, मैरियट, जिंजर, ओबेराय, ट्राइडेंट, रैडिसन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वहीं, राजा की बिल्डिंग को हेरिटेज होटल के रूप में विकसित किए जाने की भी योजना है। इसके लिए एक बड़ी होटल चेन ने निवेश की इच्छा जताई है। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में अयोध्या धाम के आसपास छोटेह्मबड़े सैकड़ों होटल्स की शुरूआत होने जा रही है। इन होटलों की मौजूदगी में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने पर उनके ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

चार बड़े प्रोजेक्ट्स से 420 करोड़ का निवेश

अयोध्या में होटल इंडस्ट्री में चार सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स के माध्यम से करीब 420 करोड़ रुपए का निवेश होने जा रहा है। इसमें सबसे पहला नाम पनाचे ड्रीमवर्ल्ड एलएलपी का है जो अयोध्या में ह्यओ रामा होटल्स एंड रिजॉर्ट्ह्य प्रोजेक्ट स्थापित करेंगे। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 140 करोड़ रुपए है। इसी क्रम में द इनोवेटर्स डिजिटल एड्स प्रा. लि. 100 करोड़ रुपए की लागत से ह्यसॉलिटेयर अयोध्या 5 स्टारह्य होटल बनाएगा, जबकि एवरग्रीन इंफ्राआ इडिया प्रा. लि. 90 करोड़ से ह्यश्री राम्या होटलह्य स्थापित करेगा, जबकि समृद्धि स्वास्तिक ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लि. 86 करोड़ से ह्यविश्रांति ग्रहह्य की स्थापना करेगा। अयोध्या में करीब 2700 करोड़ रुपए के निवेश वाले 139 नए प्रोजेक्ट्स के लिए रजिस्ट्रेशन कराए गए हैं, जिनमें करीब 1650 करोड़ रुपए के 87 नए प्रोजेक्ट्स को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए हैं।वहीं, 920 करोड़ रुपए की लागत वाले 25 प्रोजेक्ट्स के रिन्यूअल के लिए आवेदन किया गया है, जिनमें से 806 करोड़ रुपए के 21 प्रोजेक्ट्स को रिन्यूअल सर्टिफिकेट जारी किया गया है। कुल मिलाकर करीब 2500 करोड़ रुपए के 108 प्रोजेक्ट्स को सर्टिफिकेट जारी किया गया है।

अवध प्रेस क्लब की मासिक बैठक में संगठन की एकजुटता पर दिया गया बल

करण वाणी, न्यूज

सरोजनी नगर। अवध प्रेस क्लब की मासिक बैठक का का आयोजन रविवार को बंथरा स्थित मां अन्नपूर्णा प्रतिष्ठान पर किया गया। बैठक के प्रारंभ में संगठन के उपाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव के ताऊ के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत की आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पूर्व आयोजित कार्यक्रम के तहत तहरी भोज का आयोजन किया गया। संगठन के विस्तार में शुभम यादव नए सदस्य के रूप में शामिल हुए सभी पत्रकार साथियों ने उन्हें बधाई दी। प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान ने संगठन में शामिल सभी पत्रकार साथियों को एक जुटता पर बल देते हुए संदेश दिया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने निष्पक्ष पत्रकारिता का संदेश देते हुए कहा कि निष्पक्ष पत्रकारिता से ही समाज के पीड़ित तबके को न्याय मिल पाता है। सह संरक्षक अविनेंद्र सिंह राठौर ने संबोधित करते हुए कहा कि अवध प्रेस क्लब के विस्तार में अच्छे पत्रकारों के शामिल होने से क्षेत्र में निष्पक्ष पत्रकारों के संगठन के रूप में विख्यात है जो खुशी का विषय है। उन्होंने संगठन के सह संरक्षक के रूप में रहकर हर संभव सहयोग किए जाने की बात कही है। इसके अलावा पत्रकारों से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा हुई। बैठक में शामिल प्रेस क्लब के तमाम सदस्यों और पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी बात कही। इस दौरान सदस्यों ने क्लब की बेहतरी के सुझाव भी दिए। बैठक में खासतौर पर पत्रकारों ने संगठन की मजबूती और एक-दूसरे के साथ सहयोग की भावना बनाए रखने पर बल दिया। बैठक के कार्यक्रम का संचालन कर उपाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव द्वारा संगठन की बेहतरी को लेकर विभिन्न मुद्दे उठाए जिस पर सभी पदाधिकारियों ने सहमति जताई।

इस दौरान उपाध्यक्ष गुलाब सिंह राठौर, उपाध्यक्ष बलराम सिंह चौहान, महामंत्री मोनू सिंह चौहान,पंकज सिंह चौहान कोषाध्यक्ष, प्रवक्ता प्रताप सिंह, सचिव कृष्ण कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी अभिलाष मिश्रा, मंत्री पंकज प्रजापति, प्रचार मंत्री ऋषि राज गुप्ता, सहसचिव दीपराज सिंह, संगठनमंत्री शशिकांत तिवारी, सह संगठन मंत्री नितिन पटेल, सदस्य सुमित सिंह, राहुल यादव, कुलदीप विश्वकर्मा, अश्वनी साहू, दिनेश कुमार आदि पत्रकार साथी मौजूद रहे। इस दौरान सभी ने संगठन के विस्तार और मजबूती पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

कड़ाके की सर्दी में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

करण वाणी, न्यूज

कानपुर। मकर संक्रांति में सोमवार को कड़ाके की सर्दी होने के बाद भी भोर पहर से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धाभाव से गंगा तटों पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने कड़ाके की सर्दी होने के बाद भी स्नान कर घाटों पर खिचड़ी और वस्त्र का दान किया।

बिठूर के साथ शहर के सरसैया घाट पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान कर सूर्य देवता का वंदन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, घर-घर मकर संक्रांति में खिचड़ी का भोग भगवान को अर्पित किया गया। मकर संक्रांति पर्व के साथ ही मांगलिक कार्य की शुरूआत हो गई।

सोमवार को मकर संक्रांति में बिठूर और सरसैया घाट पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर सूर्य देवता को जल अर्पित किया। कड़ाके की सर्दी होने के बाद भी बिठूर के पत्थर घाट, लक्ष्मण घाट, ब्रह्मावर्त घाट और मनु घाट सहित शहर के गंगा बैराज और सरसैया घाट पर आस्था का संगम दिखा।

शहर के विभिन्न स्थानों पर शुरू हुआ खिचड़ी वितरण

मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी वितरण करने की परंपरा शहर में लंबे समय से चली आ रही है। बाबा आनंदेश्वर मंदिर, पनकी मंदिर सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर दिनभर खिचड़ी भोज का आयोजन चलता रहा। बर्रा, गुजैनी, तात्या टोपे नगर, किदवई नगर, गोविंद नगर, आर्यनगर, परमट चौक, माल रोड, घंटाघर, संगीत तिराहे स्थित ब्रह्मदेव मंदिर, बालाजी चौक, गुमटी, श्याम नगर, पी रोड में भी खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया।

जीव जगत से जुड़ी जिज्ञासा बच्चों के मन को ज्यादा आकर्षित करती है: डॉ. राजेश्वर सिंह

डॉ. राजेश्वर सिंह ने पहाड़पुर उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को करवाई चिड़ियाघर की सैर

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सरोजनीनगर में चहुंमुखी विकास के साथ, साथ हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान भी बिखरी है। इसकी वजह है विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह जो बच्चों, युवाओं और वृद्धजनों समेत हर व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रह हैं। अपनी अनूठी नीतियों, रचनात्मक योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से डॉ. राजेश्वर सिंह सरोजनीनगर को एक आदर्श विधानसभा बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

बच्चों के प्रति विशेष स्नेह रखने वाले डॉ. राजेश्वर? सिंह ने पहाड़पुर उच्च प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को चिड़ियाघर घूमाने का वादा किया था। वादे को पूरा करने के क्रम में विधायक की ओर से विद्यालय के 105 बच्चों को दो बसों से चिड़ियाघर ले जाया गया। वहां पहुंचकर बच्चों के चेहर में मुस्कान खिल उठी। ठंड में सुनहरी धूप में जानवर भी बाड़े से निकले जिन्हें देखकर बच्चों को उत्साह बढ़ गया। विद्यालय के बच्चों ने जमकर मस्ती की।

इस दौरान विधायक की टीम के सदस्यों ने बच्चों को स्कूल से चिड़ियाघर तक सकुशल लाना ले जाना, उनके खाने पीने से लेकर हर जरूरत का ध्यान रखा। इससे पूर्व पहाड़पुर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को चिड़ियाघर की सैर विधायक द्वारा करवाई गई थी।

विधायक डॉ. राजेश्वर? सिंह ने कहा कि जीव जगत से जुड़ी जिज्ञासा बच्चों के मन को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। इसके लिए उन्हें चिड़ियाघर की सैर कराई जा रही है। बच्चों की आंखों में उज्ज्वल भविष्य के सुनहरे सपने लिए इन बच्चों के चेहरों पर हमेशा उमंग भरी मुस्कान रहे यही मेरा लक्ष्य है।

जरूरतमंदों को वितरित किये जायेंगे कंबल

शीतलहर से राहत दिलाने, लोगों की ठंड से सुरक्षा दिलाने व उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह का ह्यकंबल वितरण महाभियानह्य निरंतर जारी है। डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा शुरू किया गया यह महाभियान जनकल्याणकारी सिद्ध हो रहा है। मंगलवार को मवई पडियाना में खुशहालगंज मंडल के 45 बूथ अध्यक्ष को 10-10 कंबल प्रदान किए गए ताकि वे अपने क्षेत्र के निराश्रितों व असहायों को ये कंबल देकर उनकी मदद करें। साथ ही बौद्ध आश्रम में भी 10 कंबल दिए गए।

इससे पूर्व सोमवार को विधायक कार्यालय पर सरोजनीनगर दक्षिण द्वितीय मंडल के सभी 107 बूथ अध्यक्षों को 10-10 कंबल प्रदान किए गए। साथ ही टीम राजेश्वर द्वारा क्षेत्र के यूथ क्लब के माध्यम से जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किए गए। इसके माध्यम से डॉ. राजेश्वर सिंह का हर जरूरतमंद को कंबल पहुंचाने का लक्ष्य सार्थक हो रहा है।

पहाड़पुर में घर-घर जाकर अक्षत का वितरण, दिया रामलला का निमंत्रण

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए देशभर में चल रहे उत्सवी वातावरण के बीच शनिवार को पहाड़पुर गाँव के लोग भी शामिल हुए। समाजजनों ने पहाड़पुर और आसपास के क्षेत्र में घरझ्घर जाकर अयोध्या से आए पूजित अक्षतों का वितरण किया। इस दौरान लोगों से अपील की कि आगामी 22 जनवरी के लिए सभी लोग अपनेझ्अपने घरों को अयोध्या मानकर सजाएं और प्रभु श्रीराम का भव्य स्वागत करें।

प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर लोगों में अधिक उत्साह है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र समिति द्वारा सभी को श्री राम जी द्वारा आमंत्रण के रूप मे अक्षत (पीले चावल) के रूप मे भेजा जा रहा है। शनिवार को ग्राम पंचायत पहाड़पुर में अक्षत कलश वितरण करवाया गया।

इस दौरान अक्षत वितरण में रोहित सिंह, कमलेश सिंह, प्रभात पांडे, अजीत पटेल, धर्मवीर विश्वकर्मा व शिव नारायण सिंह आदि रामभक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।

थिएटर्स में 'हनुमान' की सुपरपावर कर रही धमाल, बॉलीवुड की 'मेरी क्रिसमस' से बेहतर कमाई

करण वाणी, न्यूज

तेलुगू एक्टर तेज सज्जा की फिल्म 'हनुमान' हिंदी में भी रिलीज हुई. इस फिल्म को शानदार रिव्यू मिले और इसके स्पेशल इफेक्ट्स की खूब तारीफ हुई. 'हनुमान' का हिंदी वर्जन इन तारीफों के दम पर थिएटर्स में दमदार कमाई कर रहा है और पहले वीकेंड में 'मेरी क्रिसमस' से आगे निकल गया है.

पिछले कुछ सालों में साउथ से आ रहीं सॉलिड फिल्में हिंदी में भी दमदार कमाई कर रही हैं. तेलुगू इंडस्ट्री से आई 'हनुमान' अब इस लिस्ट में लेटेस्ट एंट्री बनने को तैयार है. माइथोलॉजी पर बेस्ड इस सुपरहीरो फिल्म ने पहले ही दिन से थिएटर्स में ऑडियंस को जमकर एंटरटेन का डोज देना शुरू किया और हिंदी वर्जन में भी सॉलिड ओपनिंग दर्ज की.

तेलुगू एक्टर तेज सज्जा स्टारर 'हनुमान' को सॉलिड रिव्यूज मिले और बहुत लिमिटेड बजट में बनी इस फिल्म के शानदार विजुअल इफेक्ट्स की जमकर तारीफ की जा रही है. फिल्म की हिंदी डबिंग को भी लोग बहुत पसंद कर रहे हैं. जनता से मिल रहे सॉलिड वर्ड ऑफ माउथ ने 'हनुमान' को हिंदी में दमदार शुरूआत दिलाई है और इसने पहले वीकेंड में बॉलीवुड की रिलीज 'मेरी क्रिसमस' से बेहतर कमाई की है.

'हनुमान' का वीकेंड कलेक्शन

शुक्रवार को रिलीज हुई तेज सज्जा की फिल्म को पहले ही दिन से हिंदी में सॉलिड ऑडियंस मिलने लगी. पहले दिन लिमिटेड स्क्रीन्स पर रिलीज हुई 'हनुमान' ने 2.15 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ खाता खोला. तारीफों का असर दूसरे दिन दिखना शुरू हुआ और डिमांड बढ़ने पर इसके शोज भी बढ़ाए गए. इसका नतीजा ये हुए कि शनिवार को फिल्म की कमाई ऑलमोस्ट डबल हुई और इसने 4 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन कर लिया.

'हनुमान' को बॉक्स ऑफिस पर मिला सॉलिड जंप तीसरे दिन भी जारी रहा. फिल्म ने रविवार को इंडिया में 15 करोड़ रुपये के लगभग नेट कलेक्शन किया है. इसमें फिल्म के हिंदी वर्जन की कमाई का हिस्सा 6 करोड़ रुपये से ज्यादा है. यानी पहले वीकेंड में 'हनुमान' के हिंदी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर 12 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है.

बॉलीवुड की बड़ी रिलीज से बेहतर 'हनुमान' का हिंदी कलेक्शन

नए साल में बॉलीवुड की पहली बड़ी फिल्म, 'मेरी क्रिसमस' भी शुक्रवार को ही थिएटर्स में पहुंची. विजय सेतुपति और कटरीना कैफ स्टारर ये फिल्म हिंदी समेत तमिल और तेलुगू में भी रिलीज हुई. 'मेरी क्रिसमस' ने पहले दिन हिंदी में 2.2 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ खाता खोला. दूसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में थोड़ा जंप आया और इसने 3.1 करोड़ रुपये कमाए.

रिपोर्ट्स की मानें तो रविवार को इस फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 3.5 करोड़ से 4 करोड़ के बीच कलेक्शन किया है. इसमें हिंदी वर्जन का कलेक्शन 3 करोड़ से थोड़ा ज्यादा है. नए साल में बॉलीवुड से पहली बड़ी रिलीज बनकर आई 'मेरी क्रिसमस' के हिंदी वर्जन ने, पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर 9 करोड़ रुपये के करीब कलेक्शन किया है.

बिना खास प्रमोशन, छोटे बजट में बनी साउथ से आई फिल्म 'हनुमान' हिंदी में इससे बेहतर कमाई कर रही है. श्रीराम राघवन की 'मेरी क्रिसमस' को रिव्यू और जनता की तारीफ तो मिल रही है. मगर इस फिल्म को उस तरह ऑडियंस नहीं मिल रही जैसी मिलनी चाहिए थी.

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

जनवरी माह में करें टॉप 5 सब्जियों की खेती, होगी लाखो की कमाई

करण वाणी, न्यूज

खेती-किसानी के काम को मौसम के अनुरूप करने से अच्छा उत्पादन मिलता है। यदि मौसम के अनुसार सही समय पर फसल की बुवाई का काम किया जाए तो इससे अच्छी पैदावार तो मिलती ही है, साथ ही बेहतर मुनाफा भी होता है। इसलिए किस महीने किस फसल की बुवाई करनी चाहिए ये हमें पता होना चाहिए, तभी हम उस फसल का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। चाहे वो अनाज हो या दलहनी फसल हो या फिर सब्जियों की फसल ही क्यूं न हो। इस समय गेहूं की बुवाई लगभग पूरी हो गई है। गेहूं लंबी अवधि की फसल है। इस बीच किसान सब्जी की खेती कर-के इससे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ऐसी कई सब्जियां हैं, जो कम लागत में अच्छी कमाई देती हैं। आप इनकी खेती जनवरी माह में करके अच्छी इनकम प्राप्त कर सकते हैं। आज हम आपको जनवरी माह में उगाई जाने वाली चुनिंदा 5 टॉप सब्जियों की खेती की जानकारी दे रहे हैं जिससे आप काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

टर की खेती

मटर की खेती काफी लाभकारी खेती होती है। मटर की खेती करके किसान काफी अच्छा पैसा बना सकते हैं। मटर को दो तरीके से बेचा जा सकता है। एक तो मटर को ताजा सब्जी के रूप में बेच सकते हैं और दूसरा मटर की प्रोसेसिंग करके उन्हें पैकिंग में बेचा जा सकता है जो लंबे समय तक चलता है। इस मटर को फ्रोजन मटर कहा जाता है। ऐसे में आप इसे साल भर बेचकर अच्छा पैसा कमा सकते हैं। मटर की खेती के लिए आप इसकी अपर्णा मटर, आर्किल मटर, जवाहर मटर, काशी उदय मटर, पंत सब्जी मटर जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं। इसमे आपको अपने क्षेत्र के अनुसार मिट्?टी और जलवायु के आधार पर मटर की किस्म का चयन करना चाहिए।

ब्रोकली की खेती

जनवरी में ब्रोकली की खेती भी अच्छा मुनाफा देती है। खास बात ये हैं कि इसके बाजार में काफी अच्छे भाव मिल जाते हैं। ये स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभकारी सब्जी मानी जाती है। इसलिए इसकी मांग बडी-बड़ी होटलों मे अधिक होती है। इसे बड़े- मॉल्स और बाजारों में बेचा जाता है। आजकल कई कंपनियों ने अपने स्टोर्स खोल रखें हैं जहां इन्हें बेचा जाता है। ब्रोकली की खेती लाभकारी खेती मानी जाती है। इसकी खेती करके लागत से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। आप ब्रोकली की ऑर्गेनिक खेती करके काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अब बात करें ब्रोकली की किस्मों की तो इसकी किस्मों में ब्रोकली की सफेद, हरी व बैंगनी किस्में आती है, लेकिन इनमें से हरी ब्रोकली की किस्म ही सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। ब्रोकली की प्रमुख किस्मों में नाइन स्टार, पेरिनियल, इटैलियन ग्रीन स्प्राउटिंग या केलेब्रस, बाथम 29 और ग्रीन हेड शामिल हैं।

मूली की खेती

मूली की खेती कम लागत में अधिक उपज देने वाली किस्म मानी

जाती है। यह सर्दियों के मौसम में काफी अच्छी पैदावार देती है क्योंकि इस फसल की तासीर ठंडी होने से इसे धूप की कम आवश्यकता पड़ती है। इसलिए इसे सर्दियों में ही उगाया जाता है। मूली खाने से पाचनक्रिया सही रहती है। कई रोगों में मूली के बीजों व रस को औषधी के रूप में प्रयोग में लिया जाता है। ज्यादातर इसका उपयोग सलाद व सब्जी बनाने व मूली के परांठे बनाने में किया जाता है। इसके पत्तों को पशुओं को खिलाने में काम में लिया जा सकता है। मूली की खेती के लिए किसान भाई इसकी उन्नत किस्मों में मूली की जापानी सफेद, पूसा देशी, पूसा चेतकी, अर्का निशांत, जौनपुरी, बॉम्बे रेड, पूसा रेशमी जैसी उन्नत किस्मों की बुवाई कर सकते हैं।

फ्रेंच बीन की खेती

किसान भाई फ्रेंच बीन की खेती करके भी अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। फ्रेंच बीन को ताजा हरी सब्जी के रूप में खाया जाता है। इसके अलावा इसे सूखा कर राजमा और लोबिया के रूप में भी खाया जाता है। इस तरह ये सब्जी भी अधिक दिनों तक संग्रहित करके रखी जा सकती है और इसका उपयोग भी अधिक समय तक किया जा सकता है। ऐसे में इसकी खेती भी किसानों के लिए मुनाफे का सौंदा साबित हा सकती है। फ्रेंच बीन की दो तरह की किस्में आती हैं, पहली झाड़ीदार किस्में और दूसरी बेलदार किस्में। झाड़ीदार किस्मों में कंटेंडर, जाइंट स्ट्रींगलेस, पेसा पार्वती, अकार कोमल आदि आती हैं। वहीं बेलदार किस्मों में पूसा हिमलता, केंटुकी वंडर आदि किस्में हैं। इनमें से किसान अपने क्षेत्र की जलवायु व मिट्टी के आधार पर इसका चयन कर सकते हैं। किसान एक बात का विशेष ध्यान रखें कि इसकी फसल के लिए ज्यादा सर्दी और ज्यादा गर्मी दोनों ही हानिकारक है। इसलिए इसे ऐसे स्थान पर बोये जहां न ज्यादा सर्दी हो और न ही ज्यादा गर्मी। सर्दियों में इसकी फसल को पाले से बचाव करना जरूरी है।

पालक की खेती

पालक की खेती से भी किसान अच्छा लाभ कमा सकते हैं। इसकी खेती भी सर्दियों में काफी आसानी से की जा सकती है। सर्दियों में लोग हरे पालक की सब्जी, कई सब्जियों के साथ जैसे- पालक पनीर, आलू पालक, सादा पालक की सब्जी बनाकर खाई जाती है। इसके अलावा कई चीजों में भी इसे डालकर खाया जाता है। पालक के परांठे भी लोग बड़े चाव से खाते हैं। पालक आयरन का उत्तम स्त्रोत हैं। इसका प्रयोग गाजर के ज्यूस में भी किया जाता है। इसकी बाजार में मांग भी अच्छी रहती है और इसके दाम भी बेहतर मिल जाते हैं। इसलिए ये कहा जा सकता है कि पालक की खेती किसी भी तरह से किसानों के लिए घाटे का सौंदा नहीं है। किसान इसकी बुवाई के लिए आल ग्रीन, पूसा हरित, पूसा ज्योति, बनर्जी जाइंट, जोबनेर ग्रीन जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं।

राजस्थान के किसान जोजोबा की खेती कर कमा रहे हैं लाखों

एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है, वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है।

करण वाणी, न्यूज

धीरे-धीरे खेती उन्नत होती जा रही है, किसान अब ऐसी फसलों की तरफ ध्यान दे रहे हैं जिनसे उन्हें मोटा मुनाफा हो. इन्हीं फसलों में से एक है जोजोबा. यह फसल ज्यादातर रेगिस्तान वाले इलाकों में होती है. भारत में राजस्थान एक ऐसा राज्य है जहां की किसान ने फसल के जरिए लाखों की कमाई सालाना करते हैं. आज हम आपको इसी फसल से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराएंगे और इसके साथ ही बताएंगे कि अगर आप अपने राज्य में इसकी खेती करना चाहें तो कैसे कर सकते हैं।

जोजोबा के उपज की बात करें तो यह अन्य फसलों के मुकाबले काफी ज्यादा है. एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है. वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है. आपको बता दें 5 क्विंटल सीड से 250 लीटर तेल निकल सकता है।

जोजोबा के बीज से निकलने वाले तेल में वैक्स एस्टर मौजूद होते हैं. ये वैक्स एस्टर, मॉइस्चराइजर, शैंपू, बालों के तेल, लिपस्टिक, कंडीशनर, एंटी-एजिंग और सन केयर प्रॉडक्ट्स बनाने में इस्तेमाल किये जाते हैं. इसके अलावा केमिकल्स और दवायें बनाने में भी इसका बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है।

जोजोबा की फसल मुख्य रूप से राजस्थान में होती है. हालांकि, कृषि विशेषज्ञों की मानें तो पंजाब, हरियाणा उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के किसान भी जोजोबा की

खेती करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं. यूपी और बिहार वाले किसान भी इस फसल में अपने हाथ आजमां सकते हैं, लेकिन बस उन्हें थोड़ी तकनीक का भी इसकी खेती के लिए सहारा लेना पड़ेगा. हालांकि, बुंदेलखंड के कुछ इलाकों में इसकी फसल बोई जा सकती है और उससे मुनाफा भी कमाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री आयुष भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन से जुड़ी परियोजनाओं को उत्तर प्रदेश में गति देगी योगी सरकार

▶▶पीएम एबीएचआईएम व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी योजनाओं के संचालन व पूर्ति पर प्रदेश सरकार का जोर

▶▶परियोजनाओं की पूर्ति और निरीक्षण के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का होगा चयन, रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल माध्यम से मांगे गए हैं आवेदन

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को ह्यउत्तम स्वास्थ्य सेवाओं से युक्त प्रदेशह्य बनाने की दिशा में सीएम योगी द्वारा उठाए जा रहे सार्थक प्रयास अब रंगलाने लगे हैं। प्रदेश के अस्पतालों के मेकओवर, अपडेशन व मॉडर्न फैसिलिटीज से लैस करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। उल्लेखनीय हैकि सीएम योगी की अध्यक्षता में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए सरकारी अस्पतालों के उच्चीकरण के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई थी जिसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वहीं, प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा आमजन तक नेशनल हेल्थमिशन व पीएम हेल्थकेयर स्कीम्स का लाभ पहुंचे इस दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब प्रदेश में योगीसरकार ने प्रधानमंत्री आयुष भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम एबीएचआईएम) व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी योजनाओं को पूर्ण करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। सीएम योगी की मंशा अनुसार, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग नेपीएम एबीएचएम व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन परियोजनाओंकी पूर्ति व निरीक्षण को सुनिश्चित करने के लिए बाकायदा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के तौर पर एजेंसियों का चयन होगा तथा इस चयनप्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए विभाग द्वारा रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम के जरिए आवेदन मांगे गए हैं।

आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर्स, क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल्स समेत तमाम परियोजनाओं पर हो रहा काम

नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत प्रदेश में पीएमझ्रएबीएचआईएम व व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी तमाम परियोजनाओं पर प्रदेश मेंकाम हो रहा है। इसमें सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 17788 आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर्स का उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर व मेघालय में निर्माण व संचालन की प्रक्रिया जारीहै। वहीं शहरी क्षेत्रों में भी 11044 आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर्स के निर्माण व संचालन की प्रक्रिया जारी

है। इसी प्रकार, उत्तरप्रदेश समेत हाई फोकस स्टेट्स में 3382 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ युनिट्स को सहायता व अनुदान देने की प्रक्रिया जारी है। इसी प्रक्रार, क्रिटकल केयर हॉस्पिटल्स, इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्रीज, संक्रामक व संचारी रोगों के प्रसार की मॉनिटरिंग व इंटीग्रेटेडहेल्थ इनफॉर्मेशन प्लैटफॉर्म (आईएचआईपी) जैसी परियोजनाओं पर भी कार्य चल रहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा उत्तरप्रदेश को वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 के मध्य 5 वर्षों में कुल 9715.74 करोड़ रुपए का आवंटन इन सभी परियोजनाओं कीपूर्ति के लिए किया जा रहा है। ऐसे में, लखनऊ स्थित नेशनल हेल्थ मिशनझ्रयूपी द्वारा आरएफपी माध्यम से जिन एजेंसियों से आवेदनमांगे गए हैं उनमें से जिस एजेंसी को कार्य आवंटित किया जाएगा वह विभाग के मुख्यालय में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन वसंचालन करेगा जिससे प्रदेश भर में संचालित हो रही योजनाओं के निर्धारण, निरीक्षण व संचालन की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट पर होगा बड़ा दारोमदार

एनएचएमझ्रयूपी की सहायता के लिए जिस एजेंसी को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के रूप में शामिल किया जाएगा उस पर बड़ा दारोमदारहोगा। अनुबंध अवधि के दौरान उसे भारत सरकार/एनएचएम वित्त पोषित निर्माण गतिविधि के तहत कार्यान्वयन भागीदारों द्वारा दी गईसेवाओं की भौतिक प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी के लिए निगरानी तंत्र और रिपोर्टिंग टेम्पलेट तैयार करना होगा। प्रोजेक्ट मैनेजमेंटयूनिट कोझ्रऑर्डिनेशन, फील्ड विजिट, आईटी बेस्ट मॉनिटरिंग पोर्टल्स व डैशबोर्ड के गठन व संचालन तथा डाटा संकलन व प्रेजेंटेशनप्रस्तुत करने का विधिवत तंत्र भी विकसित करना होगा। इस संबंध में उचित जनशक्ति भी आबद्ध करना होगा जिसमें एक टीम लीडर, एक क्वॉलिटी स्पेशलिस्ट, एक राज्य स्तरीय सिविल इंजीनियर, एक ज्योग्राफिक इनफॉर्मेशन स्पेशलिस्ट, एक हॉस्पिटल प्लानर, एकमाइक्रोबायोलॉजी स्पेशलिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, एक डिजाइन व आर्किटेचर लीड, दो आईटी एक्सपर्ट, एक इलेक्ट्रिकल इंजीनि?र, 6 डाटा एनालिस्ट व मॉनिटरिंगझ्रइवैल्यूएशन एक्सपर्ट, एक फाइनेंस स्पेशलिस्ट, 18 डिवीजन लेवल सिविल इंजीनियर्स तथा सिस्टमस्पेशलिस्ट (जीआईएस) प्रमुख होंगे।

बिना वीजा विदेश यात्रा! मलेशिया ने भारतीयों को दिया 30 दिनों का बड़ा तोहफा!

करण वाणी, न्यूज

मलेशिया ने अपने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है. प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने घोषणा की है कि भारतीयों को देश में बिना वीजा एंट्री दी जाएगी. भारतीय 1 दिसंबर से 30 दिनों तक मलेशिया में बिना वीजा के रह सकते हैं.

मलेशिया ने भारत के लोगों को वीजा फ्री एंट्री देने की घोषणा की है. मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा है कि भारत के साथ-साथ चीन के नागरिक मलेशिया में 30 दिनों तक बिना वीजा के रह सकते हैं. 30 दिनों की वीजा फ्री एंट्री 1 दिसंबर से शुरू हो रही है.

मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर ने रविवार देर रात अपनी पार्टी पीपुल्स जस्टिस पार्टी कांग्रेस में एक भाषण के दौरान यह घोषणा की. समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि, अनवर ने यह नहीं बताया कि वीजा फ्री एंट्री का 30 दिनों का यह नियम कितने समय तक लागू रहेगा.

चीन और भारत मलेशिया के लिए शीर्ष बाजारों में से एक हैं. चीन जहां मलेशिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है वहीं, भारत पांचवां सबसे बड़ा बाजार है.

भारत, चीन से लाखों की संख्या में मलेशिया जाते हैं लोग

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मलेशिया में इस साल जनवरी से जून के बीच 90 लाख 16 हजार पर्यटक आए, जिनमें चीन से 4 लाख 98 हजार 540 और भारत से 2 लाख 83 हजार 885 पर्यटक आए. महामारी से पहले, 2019 की इसी अवधि में चीन से 15 लाख लोग और भारत से 3 लाख 54 हजार 486 लोग मलेशिया पर्यटन के लिए गए.

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मलेशिया ने उठाया कदम

मलेशिया ने वीजा फ्री एंट्री का यह कदम इसलिए उठाया है ताकि देश में पर्यटकों की संख्या बढ़े और कोविड के दौरान और बाद में भारत और चीनी पर्यटकों की जो संख्या घट गई है, उसे बढ़ाया जाए.

मलेशिया से पहले उसके पड़ोसी देश थाईलैंड ने भी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा ही एक कदम उठाया था. थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का बड़ा योगदान है लेकिन कोविड के कारण उसके पर्यटन सेक्टर को बड़ा धक्का लगा है. पर्यटन सेक्टर को पुनर्जीवित करने के लिए थाईलैंड ने भारत, चीन समेत कई देशों के नागरिकों

को वीजा फ्री एंट्री देना शुरू किया है.

थाईलैंड ने नवंबर की शुरूआत में घोषणा की थी कि भारतीय 10 नवंबर 2023 से लेकर 10 मई 2024 तक 30 दिनों के लिए वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800